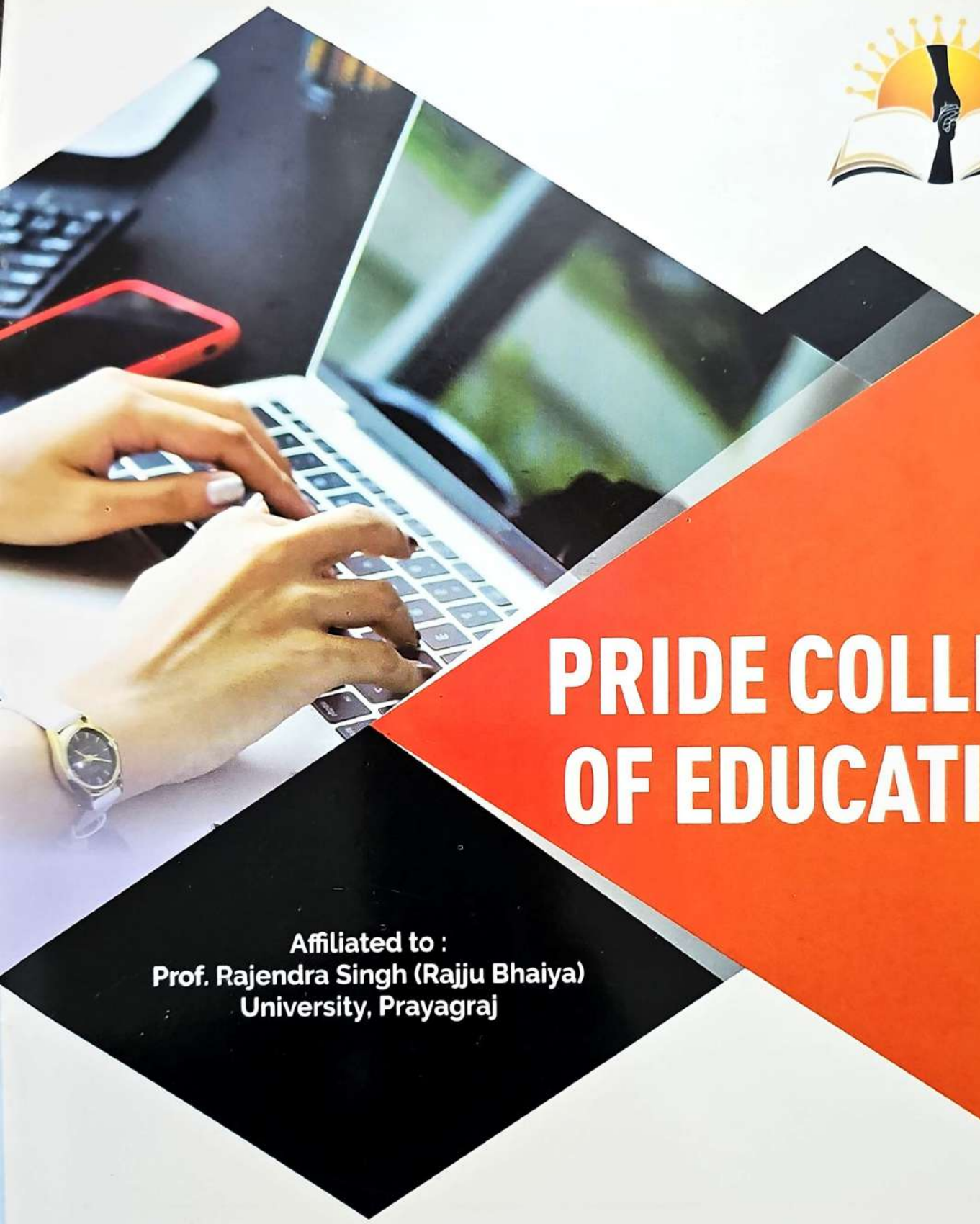

PRIDE COLLEGE OF EDUCATION

Affiliated to :
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj

AMARPUR, BHADIWAR, SHANKARGARH, PRAYAGRAJ - 212108

Contact : 9953739999, 9919598889, 9936389999

Email : pridecollegeofeducation@gmail.com

www.pridecollege.in

स्मृति लेख

स्व. श्री अमरनाथ सिंह जी

स्व. श्री अमरनाथ सिंह जी,

इस विद्यालय की स्थापना के प्रेरणाश्रोत माननीय स्व. श्री अमरनाथ सिंह जी रहें हैं जिनकी प्रेरणा से श्री रघुनंदन जी के संरक्षण में ग्रामीण अंचल में शिक्षा के प्रसार एवं प्रयास सराहनीय रहा है। ये जनता महाविद्यालय जनेह, त्योथर, रीवा (मध्य प्रदेश) के माध्यम से गरीब पिछड़े दलित एवं महिला छात्र-छात्राओं को उच्च कोटि की शिक्षा का सामान निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने का प्रयास किया। इन्होंने ग्रामीण क्षेत्र मे शिक्षा के केन्द्रों की स्थापना कर समाज में ज्ञान दीप जलाकर ग्रामीण परिवेश में पल रहे नौनिहाल प्रतिभाओं को प्रकाशित करने का प्रशंसनीय योगदान दिया है। इन्होनें अत्यन्त विषम परिस्थितियों में साधनों एवं सुविधाओं के अभाव में सतत् जागरूक एवं संघर्षरत रहते हुए कतर्व्य एवं कर्म में निष्ठापूर्वक समाज एवं राष्ट्र के विकास को साकार रूप प्रदान करने का प्रयास किया है। ऐसी प्रेरणादायी आत्मा कालजयी बनकर विद्यालय एवं विद्यालय की एक-एक ईंट पर अनादिकाल तक विराजमान रहेगा।

धन्यवाद!

प्रवेश नियमावली

1. छात्र- छात्राओं के प्रवेश के लिए कार्यालय प्रातः 10.00 बजे से सायं 4.00 बजे तक खुला रहेगा। आवेदन पत्र इसी निर्देशिका में संलग्न है।
2. आवेदन पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन/सभी अंक पत्रों, प्रमाण-पत्रों की फोटो प्रतियाँ के साथ विद्यालय कार्यालय में जमा करें। डाक द्वारा भेजे गये आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किये जायेंगे।
3. विश्वविद्यालय/विद्यालय तथा निर्धारित तिथि के उपरान्त प्रवेश सम्भव नहीं होगा।
4. किसी परीक्षा में अनुचित प्रयोग करने वाले आवेदको को प्रवेश नहीं दिया जायेगा।
5. सत्रारम्भ के पश्चात् यदि कोई छात्र/छात्रा प्रवेश लेगा तो उसे सत्रारम्भ से विद्यालय द्वारा निर्धारित सभी शुल्क का भुगतान करना होगा।
6. प्रवेश आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित प्रपत्र संलग्न होगा-
   (I) हाईस्कूल, इण्टर एवं स्नातक के अंक पत्रों व प्रमाणपत्रों की सत्यपित प्रतिलिपि।
   (ii) स्थानांतरण प्रमाण पत्र (टी.सी.) की मूल प्रति।
   (iii) अनुसूचित जाति/जनजाति/पिछड़ी जाति के अभ्यर्थी तहसीलदार/जिलाधिकारी द्वारा प्रदत्त जाति प्रमाण-पत्र की मूल प्रति।
   (iv) राज्य के बाहर के अभ्यर्थी प्रवजन (माईग्रेशन), प्रमाण-पत्र की मूल प्रति संलग्न करें।
   (v) आवेदन पत्र में निर्धारित स्थान पर फोटो अवश्य चस्पा करें। बिना फोटो के आवेदन-पत्र स्वीकार नहीं किया जायेगा।
   (vi) आधार कार्ड की स्वप्रमाणित छाया प्रति अनिवार्य रूप से संलग्न करें।
7. विद्यालय की प्रवेश समिति द्वारा नियमानुसार प्रवेश दिया जायेगा।
8. प्रवेश समिति को यह अधिकार होगा कि वह बिना कोई कारण बताए किसी भी आवेदन-पत्र को अस्वीकार कर दे और प्रवेश सम्बन्धी नियमों में समय-समय पर परिवर्तन करें।
9. अपूर्ण अथवा त्रुटिपूर्ण आवेदन-पत्र प्रवेश समिति द्वारा स्वीकार नहीं किया जायेगा।
10. प्रत्येक छात्र-छात्रा को प्रवेश के समय ही विद्यालय का नामांकन फार्म विद्यालय में पूरित कर कार्यालय में प्रस्तुत करना होगा। नामांकन फार्म न भरने पर प्रवेश फार्म स्वीकार नहीं कियें जायेगें।

शुल्क सम्बन्धी निर्देश

1. छात्रों को सभी प्रकार के शुल्कों का भुगतान सत्र आरम्भ से ही करना होगा चाहे प्रवेश विलम्ब से ही हो।
2. संस्थागत सभी छात्रों को 12 माह का शुल्क देय होगा। कोई भी विद्यार्थी कालेज का अधिकृत छात्र तभी माना जायेगा जब वह माँगने पर अपना परिचय-पत्र दिखा सकें।
3. शुल्क की धनराशि एक बार जमा कर देने के बाद किसी भी दशा में वापस न होगी।
4. छात्रों से अपेक्षा की जाती है कि शुल्क जमा करने की रसीद अपने पास सुरक्षित रखें और आवश्यकता पड़ने पर विद्यालय में प्रस्तुत कर सकें।
5. सभी छात्र अपना शुल्क कार्यालय काउन्टर में ही जमा करें।

छात्रवृति आवेदन-पत्र

विद्यालय द्वारा निर्धारित तिथि तक छात्रवृत्ति आवेदन-पत्र स्वीकार किया जायेगा। समय के अन्दर/सामान्य जाति/अनुसूचित जाति/जनजाति/पिछड़ी जाति व अल्पसंख्यक छात्र/छात्राओं के छात्रवृति फार्म सम्पूर्ण सूचनाओं सहित दो प्रतियाँ में जमा करना होगा।

उपस्थिति

प्रत्येक विषय में 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य होगी अन्यथा छात्र/छात्रा विश्वविद्यालय परीक्षा में बैठने से वचिंत रहेगा।

परीक्षा फार्म के साथ छात्रों को अपनी फोटो की तीन प्रतियाँ चिपकानी होती है। विश्वविद्यालय में परीक्षा फार्म प्राप्त होने पर निर्धारित छात्रों को दिये जायेंगे जिसे सभी प्रकार से पूरित करके एक सप्ताह के अन्दर कार्यालय में जमा करना होगा।

फार्म प्राप्त करने एवं जमा करने की तिथि की सूचना कालेज नोटिस बोर्ड पर दी जायेगी परीक्षा फार्म न भरने पर छात्र को परीक्षा में बैठने का अधिकार किसी भी दशा में प्राप्त नहीं होगा।

अनुशासन समिति

विद्यालय में अनुशासन बनायें रखनें की दृष्टि से अनुशासन समिति का गठन किया गया है। अनुशासन समिति में प्राचार्य द्वारा नामित शिक्षक होंगे। नामित अनुशासन अधिकारी के साथ प्रतिनिधि भी होंगे

अनुशासन समिति के कार्य निम्नलिखित है-

1. छात्रों को विविध समस्याओं को यथा सम्भव समाधान करना।
2. प्राचार्य की आज्ञा के बिना विद्यालय में कोई भी समारोह आयोजित नहीं किया जा सकता है।
3. छात्रों के परिचत्र-पत्र की व्यवस्था करना।
4. मुख्य अनुशासन अधिकारी द्वारा आवश्यकता अनुसार यथा समय समिति की बैठक बुलाना।
5. छात्रों को आपसी झगड़ों का निपटारा करना तथा भंग करने वालों को निम्नलिखित रूप से दण्डित करना।

(अ) अर्थ दण्ड (ब) कक्षा में प्रवेश से रोक

(स) विद्यालय से प्राप्त आर्थिक सहायता समाप्ति (द) विद्यालय से निष्कासन

पुस्तकालय तथा वाचनालय

विद्यालय के पास प्रत्येक विषय के लिए आधुनिक उपयोगी पुस्तकों, उपकरणों सुविधाओं एवं साज-सज्जा से युक्त एक पुस्तकालय है। पुस्तकालय में अनेक मासिक पत्रिका, साप्ताहिक पत्रिका एवं दैनिक पत्र-पत्रिकायें उपलब्ध हैं। पुस्तकालय कार्ड बनवानें के लिए सभी छात्रों को अपना परिचय-पत्र एंव शुल्क रसीद लेकर पुस्तकालय अध्यक्ष से सम्पर्क स्थापित कर पुस्तकालय कार्ड को दोनों प्रतियाँ प्राप्त करनी होगी। जिससे उसे पुस्तकालय की सुविधा प्राप्त हो सकेगी।

पार्किंग

ऐसे छात्र-छात्रा जो विद्यालय में साइकिल लेकर आते है उन्हें अपनी साइकिलें, स्कूटर साइकिल स्टैण्ड पर रखना अनिवार्य है। साइकिल/स्कूटर विद्यालय परिसर के अन्दर स्टैण्ड पर रखे कहीं अन्यत्र रखना दण्डनीय है।

साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्य

विद्यालय में समय-समय पर साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है जिसमें निबन्ध, कहानी एवं कविता प्रतियोगिताएँ शमिल हैं। सर्वोत्कृष्ट पुरस्कृत पत्रिका हेतु चयनित की जाती है।

सेमिनार कक्षाएँ छात्रों के अध्ययन को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु सेमिनार के अतिरिक्त कक्षाओं का प्रबन्ध है जिसमें प्रत्येक छात्र को उपस्थित रहना अत्यावश्यक है। अनुपस्थिति की दशा में अनुशासनात्मक कार्यवाही की जा सकती है।

पर्यावरण एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम

हम पृथ्वी पर जीवित है क्योंकि इस धरती पर जीवनदायी पर्यावरण उपस्थित है। विभिन्न प्रकार की वनस्पतियाँ, पशु-पक्षी एवं मौसम समूचा जीवन एक चक्र की भाँति घूमा करता है। इसी प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए श्री कृष्णा डेवलपमेन्ट एजूकेशन कालेज तथा अन्य विभागों में समय-समय पर वृक्षारोपण एवं वृक्षों के बचाने की कार्यक्रम किया जाता है, जिससे बालक-बालिकाएं अपने जीवन में वृक्षों की उपयोगिता को समझ सके तथा अपने वातावरण को बचा सकें।

"पर्यावरण की पूँजी जीवन को आनन्द देती है!"

स्काउट / गाइड शिविर

विद्यालय द्वारा ऐसे कार्यक्रम शिक्षण के बीच कराना जिससे उनकी शारीरिक, बौद्धिक, आध्यात्मिक, सामाजिक अन्तःशक्ति के व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपने आप को स्थापित कर सके। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों को कुशल शिक्षक प्रशिक्षकों के द्वारा महाविद्यालय में कराया जाता है, जो तीन सिद्धान्तों पर कार्य करता है।

1. ईश्वर के प्रति कर्तव्य। 2. दूसरों के प्रति कर्तव्य। 3. स्वयं के प्रति कर्तव्य।

शैक्षणिक भ्रमण

शिक्षा को रोचक व प्रभावशाली बनाने की सबसे अच्छी प्रक्रिया होता है किसी भी वस्तु की वास्तविकता का दर्शन कराना और इसी वास्तविकता को पूरा करने के लिए समय-समय पर छात्र-छात्राओं को शैक्षिक भ्रमण की व्यवस्था विद्यालय करता है जिससे कि छात्र एक दूसरे के साथ सामंजस्य स्थापित करना सीखते हैं। इस शैक्षिक यात्रा के माध्यम से व्यक्ति दूसरे की भाषा, रहन-सहन तथा जीवन शैली को सीखता है तथा इस माध्यम से सीखे हुए ज्ञान को वह हमेशा याद रखता है।

सूक्ष्म शिक्षण-प्रशिक्षण कार्यक्रम

शिक्षण का वह माध्यम जिसमें छात्र/छात्राओं को छोटे-छोटे शिक्षण की विधियों से उन छात्र/छात्राओं के पूण शिक्षक बनाने के लिए अग्रसर करना। इस कौशल को आगे बढ़ाने के लिए विद्यालय निरन्तर समय-समय पर योग्य अनुभवी शिक्षकों द्वारा शिक्षण की बारीकियों को बताना तथा उन्हें उन कौशलों को अपने जीवन में धारण करना यही उद्देश्य लेकर विद्यालय सूक्ष्म शिक्षण-प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरन्तर आयोजन करता है।

वार्षिक कार्यक्रम

फ्लावर पॉट - फूलों की सुन्दरता पेड़ों में होती है किन्तु टूटने के बाद वह गुल फूलदानों में अच्छे लगते हैं। फूलों को पॉट में लगाना एक कला है जो कि सृजनात्मक क्रिया कहलाती है। सभी छात्र-छात्राओं को यह प्रतियोगिता के माध्यम से उन्हें अवसर मिलता है कि वह इस कला को सीखें और प्रकृति की सुन्दरता को एक रूप में दर्शायें।

रंगोली - रंगों से बनाई गयी आकृति रंगोली होती है जो अति सुन्दर लगती है। यह भी एक कला है, इसे त्योहारों में लोग अपने घरों में बनाते हैं। छात्राओं में इसको भी सिखाना और अपनी कला का प्रदर्शन करने का अवसर प्रतियोगिता के माध्यम से दिया जा सकता है।

खेलकूद - स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है इस परम्परा को आगे बढ़ाने के लिए छात्र/छात्राओं के स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। इसलिए विद्यालय द्वारा समय-समय पर कबड्डी, बालीवाल, फुटबाल, क्रिकेट, बैडमिन्टन, खो-खो, शतरंज आदि जैसे खेलों का आयोजन ब्लाक स्तर पर, जिला स्तर तथा प्रदेश स्तर तक किया जाता है जिससे बच्चों का भविष्य उज्जवल हो सके।

योग शिक्षा शिविर - आज पूरे विश्व में मानव जीवन में अनेक समस्याएं देखने को मिल रही है जितने हम आधुनिकता की तरफ बढ़ रहे हैं उतनी ही हम बीमारियों की चपेट में आते जा रह हैं क्योकि सब कुछ दूषित होता जा रहा है। इन सब समस्याओं से अपने आप को बचाने के लिए हमारे विद्यालय में योग शिक्षा शिविर के माध्यम से अपने आप को स्वस्थ तथा स्वच्छ रखने के तरीके सिखाये जाते हैं।

संरक्षक की कलम से

मुझे नगर एवं प्रयागराज जनपद की बुद्धिजीवी जनता को सूचित करते हुए अपार हर्ष हो रहा है कि प्राइड कालेज ऑफ एजूकेशन, अमरपुर, भड़िवार, शंकरगढ़, प्रयागराज अपने स्थापना के द्वितीय शैक्षिक सत्र में प्रवेश करने जा रहा है। इस विद्यालय की स्थापना वर्ष 2015 में छात्र-छात्राओं की आवश्यकता को ध्यान में रखकर गुणात्मक टीचर ट्रेनिंग शिक्षा प्रदान करने की दृष्टि से की गई जिससे उनके मानसिक, बौद्धिक एवं चारित्रिक विकास में विद्यालय सक्रिय भूमिका का निर्वाह कर सकें। ऐसा मेरा विश्वास है कि छात्र-छात्रायें इस विद्यालय में संस्थागत विद्यार्थी के रूप में प्रवेश लेकर अपने भविष्य के सपनों को साकार कर सकेगें।

धन्यवाद!

व. श्री रधुनन्दन सिंह
संरक्षक

प्रबंधक की कलम से

प्राचीन काल से देश के बौद्धिक विकास एवं उन्नति शिक्षण संस्थानों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। धुनिक शिक्षण संस्थानों का स्वरूप भले ही बदल गया हो न्तु आज भी उसकी भूमिका अन्धकार से प्रकाश की ओर जाने वाली है। जनपद के ग्रामीण क्षेत्र में छात्र-छात्राओं के शा व दशा तथा सामाजिक व शैक्षिक स्तर उठाने के श्य से छात्र-छात्राओं हेतु इस महाविद्यालय की स्थापना गई है। आइये हम सब मिलकर छात्राओं के उच्च शिक्षा में अग्रसर इस महाविद्यालय में योगदान कर छात्र-त्राओं को उच्च शिक्षा में शिक्षित होने का अवसर प्रदान ।

कुँवर बहादुर सिंह
प्रबन्धक

प्राइड कालेज ऑफ एजूकेशन

सम्बद्ध : प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

अमरपुर, भड़िवार, शंकरगढ़, प्रयागराज – 212108

Contact : 9953739999, 9919598889, 9936389999

Email : pridecollegeofeducation@gmail.com

www.pridecollege.in

PRINTWELL # 9415340188